अध्याय 03 सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus valley civilization)

यह सभ्यता कार्बन डेटिंग के अनुसार 2300 B.C से 1750 B.C बतायी गयी |यह सभ्यता मेसोपोटामिया तथा मिस्र की सभ्यता के समकालीन थी |

कुछ विद्वानों के अनुसार सैन्धव सभ्यता की तिथि निम्नवत है |

जॉन मार्शल	3250 ई.पू .-2750 ई.पू.
अर्नेस्ट मैके	2800 ई.पू - 2500 ई.पू.
माधव स्वरुप	3500 ई.पू - 2500 ई.पू.
गैंड	2350 ई.पू - 1700 ई.पू.
मार्टिमर ह्वीलर	2500 ई.पू - 1700 ई.पू.
फेयर सर्विस	2000 ई.पू - 1500 ई.पू.

- सर्वप्रथम 1826 AD में **चार्ल्स मैसन** ने हड़प्पा टीले के विषय में बताया |
- **जनरल कनिंघम** ने पहली बार हड़प्पा टीले से अवशेष प्राप्त किये |
- **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक सर जॉन मार्शल** के निर्देशन में **रायबहादुर दयाराम साहनी** ने 1921 में हड़प्पा टीले का उत्खनन कराया ,जिसमे उनका सहयोग माधो स्वरुप वत्स ने किया |
- **राखाल दास बनर्जी** ने 1922 में मोहन जोदड़ो टीले का उत्खनन कराया |

  नोट :- इस युग में कांसे के बने औजारों का प्रयोग होता था इसलिए इसे **कांस्य युगीन सभ्यता** के नाम से जाना जाता है | हड़प्पा पहला क्षेत्र था

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE
MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

जिसकी खुदाई की गयी इसलिए इसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है | इस सभ्यता के अवशेष निम्न स्थानों से प्राप्त हुए है

पाकिस्तान :- पंजाब ,सिन्धु ,बलूचिस्तान

भारत :- पंजाब ,गुजरात ,हरियाणा , उत्तर प्रदेश ,जम्मू कश्मीर , महाराष्ट्र

इस सभ्यता का विस्तार उत्तर में जम्मू से लेकर दक्षिण में नर्मदा के मुहाने तक और पश्चिम में बलूचिस्तान के मकरान समुद्र तट से लेकर उत्तर -पूर्व में मेरठ तक विस्तृत है |

- इसका सम्पूर्ण क्षेत्र त्रिभुजाकार है
- इसका सम्पूर्ण क्षेत्रफल 1299600 वर्ग किलोमीटर है |
- हड़प्पा और मोहनजोदड़ो दो महत्वपूर्ण स्थल है जिन्हें जुड़वाँ बहन कहा जाता है ये दोनों स्थान एक दूसरेसे 483 किलो मीटर की दूरी पर है |
- हड़प्पा में शवों को दफनाते थे जबकि मोहनजोदड़ो में शवों को जलाते थे है
- हड़प्पा सभ्यता के कुल ज्ञात स्थलों की संख्या 1500 है |

भौगोलिक विस्तार

उत्तर में :- मांडा (जम्मू &कश्मीर) चिनाब नदी

दक्षिण में :- दैमाबाद (महाराष्ट्र) , प्रवरा नदी के तट पर (नर्मदा नदी)

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE
MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

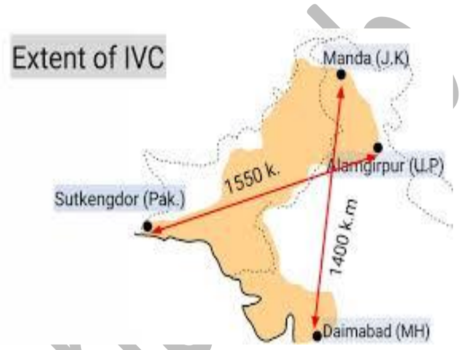

पूर्व में :- आलमगीर पुर (मेरठ) हिंडन नदी (यमुना नदी)

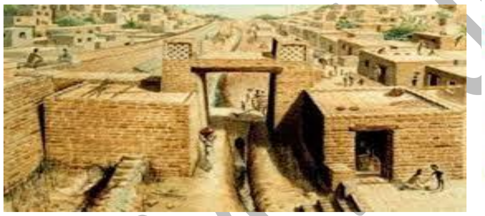

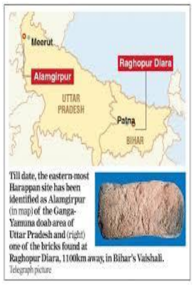

पश्चिम में :- सुत्कांगेडोर (बलूचिस्तान) दाश्क नदी

MMM Educationhub

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE
MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

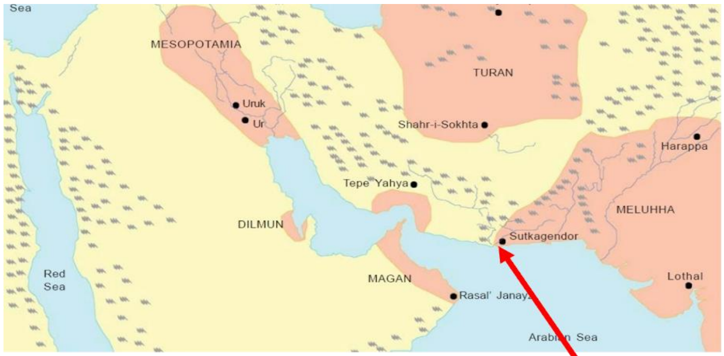

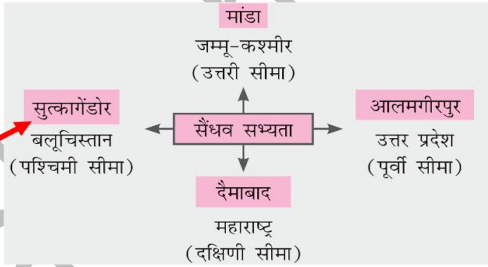

सुत्कगेनदोर

हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख नगर

1) हड़प्पा :- यह रावी नदी के बाये तट पर स्थित है यह स्थल पंजाब प्रान्त (पाकिस्तान) के मोंट मोगरी जिले में पड़ता है इसकी खुदाई दयाराम साहनी ने 1920-21 में की उसके बाद 1933-34 में माधो स्वरूप वत्स ने तथा 1946 में मार्टिमर ह्वीलर ने की |

पूर्वी टीला- नगर टीला (शासक वर्ग) नगर के मकान पक्की ईंटो से निर्मित

पश्चिमी-टीले -दुर्ग टीला (श्रमिक वर्ग) सड़के समकोण पर काटती थी

SUBSCRIBE NOW on YouTube MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

हड़प्पा स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण बस्तुये :-

दक्षिण में स्थित कब्रिस्तान जिसे **R-37** नाम दिया गया , एक बर्तन पर मछुवारे का चित्र , पीतल का बना इक्का, शंख का बना बैल , स्त्री के गर्भ से निकला हुआ पौधा जिसे उर्वरता की देवी माना गया, नटराज की मूर्ति , गेंहू और जौ के अवशेष , ईटो के ब्रत्ताकार चबूतरे

मोहनजोंदड़ो (Mohan Jo-daro) :- सिन्धी भाषा में इसका अर्थ होता है मृतको का टीला | यह सिंध प्रान्त के लरकाना जिले में सिन्धु नदी के दाये तट पर स्थित है इसकी खोज **राखाल दास बनर्जी** ने 1922 में किया था |

कांसे की बनी नर्तकी की मूर्ति मिली ,भैस के पशुपालन का प्रमाण मिला ,सिन्धु क्षेत्र में कपास की खेती का प्रमाण मिलता है ,सीप का बना एक मापदंड मिला है योगी की मूर्ति , मुद्रा पर अंकित पशुपति नाथ की मूर्ति ,कुम्भकारो के 6 भट्ठे , सूती कपडा ,हाथी का कपाल खंड ,गले हुए ताम्बे के ढेर ,कुएं से प्राप्त नर कंकाल

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

,घोड़े के दांत मिला ,पुजारी का सिर, ताम्बे का बैल ,सूती कपडे का टुकड़ा,चांदी के फूलदान का ढक्कन |

बृहद स्नानागार :- सर्वाधिक उल्लेखनीय ईमारत ,जलाशय में उतरने के लिए उ.& द. की ओर सीढिया थी |पानी निकलने के लिए द.& प. की ओर नालियां थी

पशुपति शिव चित्रित मुहर :- इस मोहर पर हाथी ,गैंडा तथा वृषभ ,पैरो के पास दो हिरण बने है |

अन्नागार :- ल. 45.72 मी. ,चौ. 22.86 मी.

स्नानागार :- ल. 55मी . चौ.33 मी . इसी के बीच में एक स्नान कुंड है जिसकी लम्बाई- 11.8 मी. , चौड़ाई-7.01मी ,गहराई- 2.43मी . है |

चन्हुदड़ों:- यह मोहनजोदड़ो से 130 km दक्षिण पूर्व में स्थित है| चन्हुदड़ो की खोज सबसे पहले 1931 में एम. जी. मजूमदार ने की थी जिसका उत्खनन 1935-36 में मैके ने किया | यहाँ से झूकर तथा झांगर संस्कृति के

MMM Educational Hub

अवशेष मिले ,यह एक औद्योगिक केंद्र था , जहाँ से मनका बनाने का कारखाना तथा भट्ठी प्राप्त हुई है ,यहाँ से अलंकृत हाथी ,खिलौना ,कुत्ते के बिल्ली का पीछा करते हुए पद चिन्ह ,लिपस्टिक ,यह एक ऐसा पुरास्थल है जहा से वक्राकर ईंटें मिली हैं ,ताम्बे की बनी इक्का गाड़ी मिली हैं|

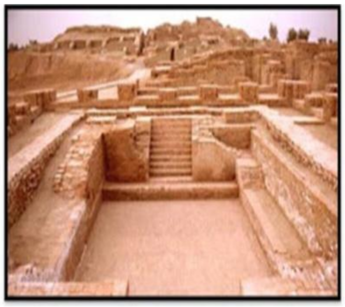

चन्हुदड़ो से प्राप्त जार(पकिस्तान)

अल्लाहदीना यह सिन्धु नदी (पाकिस्तान) में स्थित है ,इसकी खोज डब्लू .ए.फेयर सर्विस ने 1976 में की थी |यहाँ से वितरण केंद्र ,पत्थर की विशाल दीवार तथा गहनों का जखीरा प्राप्त हुआ |

कोटदीजी:- सिन्धु नदी (सिंध पाकिस्तान), इसके खोजकर्ता फजल अहमद थे जिन्होंने 1953- 1954 में इसे खोजा |

- यहाँ से पत्ती के आकार का बाणाग्र मिला ,
- गर्तावास मिले
- चाक पर निर्मित मृद्भांड मिले

सुत्कान्गेडोर :- यह दाश्क नदी के किनारे स्थित हडप्पा कालीन स्थल है जिसकी खोज औरेल स्टाइन ने 1927 में की थी | यह सबसे पश्चिमी स्थल है |

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

- यहाँ से राख भरा बर्तन मिला है
- तांबे की कुल्हाड़ी
- मिट्टी से बनी चूड़ियाँ मिली
- **आमरी** :- यह सिन्धु नदी के तट पर स्थित एक हडप्पा कालीन स्थल था |इसकी खोज एन .जी मजूमदार एवं जार्ज डेल्स ने की |
- **यहाँ से बारहसिंगा के साक्ष्य मिले**
- **राखीगढ़ी:-** :-यह घग्घर नदी के तट पर हरियाणा राज्य का एक हड़प्पा कालीन पुरास्थल है जिसकी खोज सुरजभान ने 1968 में की |
- **यह हडप्पा कालीन सबसे बड़ा स्थल है**

रोपड़ :- इसकी खोज यज्ञ दत्त शर्मा ने 1953-54 में की | यह सतलुज नदी के तट पर स्थित है |

- **तांबे की कुल्हाड़ी ,शंख की चूड़ियाँ ,मिट्टी के बर्तन**
- **कुत्ते को मालिक के साथ दफनाने का साक्ष्य मिला**

कालीबंगा:-(काले रंग की चूड़ी) यह राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के तट पर स्थित है | इसकी खोज अमला नन्द घोष ने की थी | यहाँ के भवन कच्ची ईटो के बने है |

- जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले है

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

- यह नगर सामानांतर चतुर्भुज की आकृति में बसा था
- यहाँ से शल्य चिकित्सा के साक्ष्य भी प्राप्त हुए है
- यहाँ से बच्चे की एक खोपड़ी भी मिली है जिसमे 6 छेद है इससे पता चलता है की मस्तिष्क शोध की बीमारी का पता लगाया जाता था |
- एक कंकाल के बाएं घुटने पर धारदार कुल्हाड़ी से काटने का निशान था |

लोथल:- यह गुजरात राज्य के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के तट पर स्थित है इसकी खोज डॉ.एस आर राव ने की थी | यह पश्चिम एशिया का एक प्रमुख बंदरगाह था |इसे लघु हड़प्पा या लघु मोहनजोदड़ो कहा जाता है|

- यह एक ज्वारीय बंदरगाह है
- यहाँ से गोदीवाडा (Dock YARD का प्रमाण मिलता है
- चावल की खेती का प्रमाण मिलता है (1800 B.C)
- हाथी के पालन का भी प्रमाण मिलता है
- तांबे का कुत्ता मिला है

धौलाबीरा :- यह गुजरात के कच्छ में स्थित खदिर बेत के किनारे बसा है

- यह हडप्पा कालीन स्थल है
- यहाँ साफ पानी मिलता था
- इसकी खोज 1967-68 में J.P जोशी ने की तथा उत्खनन आर .एस .विष्ट ने कराया

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

MMM Educational Hub

- यह नगर आयताकार बसा था
- यहा के लोग उन्नत जल प्रबंधन से परचित थे
- यहाँ से 10 चिन्हों वाला एक शिलालेख मिला है

सुरकोटदा :- यह गुजरात जिले के कच्छ जिले में स्थित है , इसकी खोज जे .पी .जोशी जी ने 1954 में की यहाँ से घोड़े की हड्डिया तथा बर्तन में शवाधान प्राप्त हुए है |

रंगपुर :- यह गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है| यह भादर नदी के तट पर स्थित एक हडप्पा कालीन स्थल है इसकी खोज 1953 में रंग नाथ राव ने की थी यहाँ के लोग चावल, बाजरा एवं ज्वार की खेती करते थे |

देसलपुर:- यह गुजरात के कच्छ में स्थित एक हड़प्पा कालीन स्थल है जिसकी खोज 1963AD में ए. घोष ने की यहाँ से टेराकोटा मोहर ,तांबा मुहर ,सेलखडी मुहर ,भूरे रंग के मिट्टी के बर्तन प्राप्त हुए है |

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

आलमगीरपुर :- यह उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास स्थित हड़प्पा कालीन स्थल था जिसकी खोज यज्ञ दत्त शर्मा ने 1958 में की | यहाँ से रोटी बेलने की चौकी ,कटोरे के टुकड़े ,मिटटी के बर्तन |

NOTE:-यह गंगा यमुना दोआब का पहला उत्खनित स्थल है |

- यहाँ की लिपि चित्रात्मक थी जो पहले दायें से बाएं पुनः बाएं से दायें लिखी जाती थी |
- इस लिपि को सर्वप्रथम अलेक्जेंडर कनिंघम ने 1875AD में प्रकाशित किया ,1923 AD तक यह पूर्णतया प्रकाश में आ गयी जिसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका |
- मार्टिमर व्हीलर ने हड़प्पा सभ्यता का पतन आर्यों का आक्रमण मानते है जबकि जॉन मोर्शल बाढ़ मानते है ,एम.आर .साहनी भूगर्भिक परिवर्तन मानते है |

बहुबिकल्पीय प्रश्न :-

Q-1) सही सुमेलित कीजिये ?

a) हड़प्पा	1)शवाधानR-37
b) लोथल	2) बंदरगाह
c)कालीबंगा	3) नर्तकी की मूर्ति
d)मोहनजोदड़ो	4) जुता हुआ खेत

MMM Educational Hub

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

A) a - 1 ,b -2 , c -3 ,d-4

B) a -1 , b -2 ,c -4 ,d-3

C) a -3 ,b -4 , c-1 ,d -3

D) a -4 ,b-2 , c-1 , d-3

Q-2) निम्नलिखित में से कौन सा हड़प्पा स्थल शैल वस्तुयें बनाने का विशिष्ट केंद्र था |

a) लोथल b) बालाकोट c) अमरी d) कोट्टदिजी

Q-3) पोत गाह ,सिन्धु घाटी सभ्यता के निम्न लिखित में से किस स्थान पर पाया गया था ?

a) चन्हुदड़ो b) लोथल c)कालीबंगा d) बनवाली

Q-4) हड़प्पा संस्कृति के आर्थिक जीवन के सम्बन्ध में निम्न लिखित कथनों पर विचार करे |

a) कांस्य और ताम्बे के बर्तन हड़प्पा धातु शिल्प के उत्कृष्ट उदाहरण है |

b) सोना , ताम्बा , टिन और कई अर्ध कीमती पत्थरों का आयत किया गया था |

MMM Educational Hub

c) मुख्य रूप से मेसोपोटामिया ,अफगानिस्तान और ईरान के साथ विदेशी व्यापार किया जाता था |

1) a और b 2) a और c 3) b और c 4) a ,b और c

Q-5) भारत का सबसे बड़ा हड़प्पा कालीन स्थल है |

a) आलमगीरपुर b) कालीबंगा c) लोथल d) राखीगढ़ी

Q-6) सिन्धु घाटी के लोग पूजा करते थे |

a) पशुपति की b) इन्द्र की c) ब्रम्हा की d) बिष्णु की

Q-7) हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो की पुरातात्विक खुदाई के प्रभारी थे |

a) राखालदास b) दया राम c) जॉन मार्शल d) कनिंघम

Q-8) निम्न में कौन हड़प्पा कालीन स्थल नहीं है |

a) काली बंगन b) रोपड़ c) पाटिलपुत्र d) लोथल

Q-9) दधेरी एक परवर्ती हड़प्पीय स्थल है |

a) जम्मू का b) पंजाब का c) हरियाणा का d) उत्तर प्रदेश का

Q-10) हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था |

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

a) लाल b) नीला हरा c) पांडु d) नीला

Q.11) भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते है |

a) हड़प्पा से b) ताम्र युग से c) वैदिक काल से d) गुप्त काल से

Q-12) सैन्धव सभ्यता का विशाल स्नानागार किस पुरास्थल से पाया गया है |

a) मोहनजोंदड़ो b) हड़प्पा c) लोथल d) कालीबंगा

Q.13) हड़प्पा सभ्यता स्थल लोथल स्थित है |

a) गुजरात b) पंजाब c) राजस्थान d) सिंध

Q.14) निम्न में से किस हड़प्पा कालीन स्थल से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ |

a) धौलावीरा b) बंनावली c) कालीबंगा d) लोथल

Q.15) निम्न में कौन सा हड़प्पा स्थल गुजरात में स्थित नहीं है ?

a) सुरकोतड़ा b) लोथल c) धौलाबीरा d) बनावली

Q.16) सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगो का मुख्य व्यवसाय था ?

a) कृषि b) युद्ध c) शिकार d) मछली पकड़ना

Q17) निम्न लिखित में कौन सा स्थल सिन्धु नदी के तट पर अवस्थित नहीं है|

a) चन्हुदड़ो b)मोहनजोदड़ो c) रोपड़ d) कोटदीजी

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE
MATHS With MANISHOMETRY
Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub
Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)

Q.18) मूर्ति पूजा का आरंभ कब से माना जाता है |

a) कुषाण काल b) मौर्य काल c) पूर्व आर्य d) वैदिक काल से

Q.19) निम्न में क्या सुमेलित नहीं है ?

a) हड़प्पा - रावी

b) कालीबंगा -झेलम

c) लोथल - भगवा

d) रोपड़ - सतलज

Q.20) निम्न में कौन सुमेलित नहीं है |

a) देसलपुर - धुरदनदी

b) बनावली - सरस्वती नदी

c) रंगपुर - सुक भादर

d) कुणाल - घग्घर नदी

Q-21) निम्न में कौन सुमेलित है ?

a) सुत्कांगडोर - रावी नदी

MMM Educational Hub

b) ओमरी - घग्घर नदी

c) आलमगीरपुर - भोगवा नदी

d) भगवानपुरा - सरस्वती

Q-22) किस पशु के अवशेष सिन्धु घाटी सभ्यता में प्राप्त नहीं हुए है |

a) शेर b) घोडा c) a और b दोनों d) हाथी

Q-23) वस्त्रो के लिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले कहा हुआ |

a) मिस्र में b) मेसोपोटामिया में c) मध्य अमेरिका में d)भारत में

Q.24) निम्न में कहा से वृषभ मुद्रा मिली है ?

a) हड़प्पा b) चन्हुदड़ो c) लोथल d) मोहनजोदड़ो

Q-25) मृण पट्टिका पर उत्कीर्ण सींग युक्त देवता की कृति प्राप्त हुई है |

a) बनावली b) कालीबंगा b) लोथल c) रोपण

MMM Educational Hub

SUBSCRIBE NOW on YOUTUBE MATHS With MANISHOMETRY Like Our Facebook Page- facebook.com/mmmeducationalhub Read MANISHOMETRY (A Complete Maths Book)